A report on inauguration ceremony of
Regional Academic Centre for Space (RAC-S) at MNIT Jaipur, Rajasthan
February 05, 2019

The inaugural ceremony of Indian Space Research Organization of the Department of Space, Government of India, Bengaluru and Malaviya National Institute of Technology (MNIT), Jaipur - **Regional Academic Centre for Space *(RAC-S)* at MNIT Jaipur** established to pursue advance research in the areas of relevance to the future technological and programmatic needs of the Indian Space Programme was held on 5th February 2019 at the mini auditorium of Prabha Bhawan, MNIT Jaipur. The inaugural ceremony commenced with Saraswati vandana by students of MNIT Jaipur, followed by lighting of lamp by a group of dignitaries:

- Prof. Udaykumar R. Yaragatti, Director, Malaviya National Institute of Technology – Jaipur,
- Dr. P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO
- Prof. Rohit Goyal, Regional Coordinator, RAC-S, MNIT – Jaipur
- Prof. Dharmender Boolchandani, MNIT – Jaipur
- Shri Vaibhav Galriya, Secretary to Government, Higher and Technical Education Department, Rajasthan, Jaipur and Alumni of MNIT Jaipur
- Shri Akhilesh Kumar Jain, Managing Director, Rajasthan Electronics & Instruments Limited and Alumni of MNIT Jaipur

Prof. Rohit Goyal formally welcomed all the dignitaries present on the dais, faculty from collaborating institutes, deans, heads, faculty members, experts, staff members, members from press and media & students. He mentioned about the significance of RAC-S and its aim of bringing together other institutes of excellence in the region to take part in the capacity building, awareness creation and research and developmental activities related to space technology, space science and space applications in the region. He also highlighted the current research going on in MNIT Jaipur related to space technologies.

The guest of honour, Dr. P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO briefed about the objectives of ISRO - MNIT Regional Academic Centre for Space (RAC-S) at MNIT, Jaipur, which will act as a facilitator for the promotion of space technology activities in the western region comprising the states of Maharashtra, Rajasthan, Gujarat and Goa; and shall devote its resources including human resources to this effect.

In his address, Prof. Udaykumar R. Yaragatti, Director, MNIT-Jaipur thanked ISRO for considering MNIT Jaipur for opening first RAC-S in the country. He also mentioned that the activities of RAC-S shall be directed to maximize the use of the research potential, infrastructure, expertise and experience already existent in ISRO and MNIT, Jaipur. He motivated everyone to actively participate and get benefited from this platform.

The inauguration of RAC-S was done on behalf of Chairman ISRO, Dr. K. Sivan by Dr. P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO followed by recorded inaugural address of Chief Guest, Dr. K. Sivan, Chairman, ISRO/Secretary, DOS and signing of MoU between ISRO, Bengaluru and MNIT Jaipur. Signed MoU were exchanged between Prof. Udaykumar R. Yaragatti, Director MNIT Jaipur and Dr. P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO.

In their felicitation speech, MNIT Alumni, Shri Vaibhav Galriya and Shri Akhilesh Kumar Jain thanked ISRO for providing wonderful opportunity to students, researchers and young entrepreneurs working in field of space technology and space science by choosing MNIT for the establishment of RAC-S.

In the end, Dr. Dharmender Boolchandani offered a vote of thanks to all. He thanked Dr. K. Sivan, Chairman, ISRO/Secretary, DOS, Dr.P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO and Prof. Udaykumar, Director, MNIT-Jaipur for establishing RAC-S at MNIT- Jaipur for advance research in the areas of space technology and applications. He also thanked all the invited guests and participants for gracing the occasion by their solemn presence.

The inaugural ceremony of RAC-S at MNIT Jaipur was attended by over 100 participants, which included deans, heads and faculty members from MNIT as well as other institutes like BITS Pilani, LMNIT etc., and experts from various fields, Alumni MNIT, persons from press and media and students. Inaugural ceremony ended with National Anthem and was followed by high tea.

The entire event was covered by the Press media "1st India Rajasthan". Dr. P.V.Venkitakrishnan, Director, Capacity Building Programme Office, ISRO was exclusively interviewed by press media on RAC-S MNIT Jaipur. Press notes were also published in different newspapers.

Photographs of the RAC-S inagugural ceremony at MNIT - Jaipur

Signing of MoU between ISRO and MNIT Jaipur

इसरो प्रमुख के.सिवन ने वीडियो मैसेज में कहा- हमारी उम्मीदें पूरी होंगी

एमएनआइटी में देश का पहला रीजनल एकेडमिक सेंटर शुरू

पी.वी.वेंकटकृष्णन और प्रो.उदयकुमार यारागट्टी ने एमओयू पर किए साइन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआइटी) में देश के पहले इसरो रीजनल एकेडमिक सेंटर की शुरुआत मंगलवार को हुई। सेंटर के जरिए स्पेस टेक्नोलॉजी में इंटरेस्टेड स्टूडेंट्स यूजी, पीजी, पीएचडी लेवल पर रिसर्च कर सकेंगे, जिन्हें ट्रेनिंग और ग्रांट भी मिलेगी। इस मौके पर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन ने शिरकत की। उन्होंने एमएनआइटी के साथ 10 साल का एमओयू साइन किया। वेंकटकृष्णन ने स्टूडेंट्स से रिसर्च के जरिए सोसाइटी को सर्व करने की बात कही। इसरो प्रमुख के.सिवन ने वीडियो एड्रेस में कहा कि एमएनआइटी में देश का पहला रीजनल सेंटर शुरू करते हुए खुशी है। सेंटर न सिर्फ इसरो को रिसर्च में मजबूत करेगा, बल्कि स्पेस टेक्नोलॉजी की अवेयरनेस बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इसरो ने छह सेंटर प्लान किए हैं। इनमें नॉर्थ, साउथ, वेस्ट, नॉर्थ ईस्ट, सेंट्रल और ईस्ट के सेंटर शामिल है। एमएनआइटी सबसे पहले शुरू होने वाला सेंटर है। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र, गुवाहाटी, वाराणसी और कन्याकुमारी में भी सेंटर खोले जाएंगे। सेंटर से काफी उम्मीदें हैं और मेरा विश्वास है कि रिसर्च एंड डवलपमेंट में भागीदारी से यह पूर्ण होंगी। इसरो ने स्पेस रिलेटेड इंडीजीनस टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और स्कूल चिल्ड्रन के लिए यंग साइंटिस्ट प्रोग्राम पर फोकस किया है। ये आउटरीच प्रोग्राम भविष्य में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

शुरू होगा इसरो का रीजनल एकेडमिक सेंटर

अब एमएनआइटी में परवान चढ़ेंगी अंतरिक्ष की संभावनाएं

5 फरवरी को इसरो चेयरमैन के.सिवन वर्चुअली करेंगे इनॉग्रेशन

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन रहेंगे मौजूद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ दुनिया के सबसे छोटे सैटेलाइट लॉन्च कर दुनिया को चकित कर चुके इसरो ने स्पेस में भारत के भविष्य के द्वार खोल दिए हैं। सेटेलाइट बनाने वाले नौनिहालों की चहुंओर प्रशंसा हो रही है और इसरो का कहना है कि उसके द्वार हमेशा बच्चों के लिए खुले हैं। स्पेस में भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए इसरो ने स्पेस रिसर्च में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स, फैकल्टीज और रिसर्चर के लिए खुशखबर दी है।

मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआइटी) में इसरो के रीजनल एकेडमिक सेंटर फॉर स्पेस की शुरुआत की जाएगी। पांच फरवरी को इसका इनॉग्रेशन इसरो चेयरमैन के.सिवन वर्चुअली करेंगे। जबकि कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस के डायरेक्टर पी.वी.वेंकटकृष्णन मौजूद रहेंगे। एमएनआइटी प्रशासन के अनुसार, इसरो के वेस्ट रीजन के लिए इंस्टीट्यूट का चयन किया जाना गौरव का विषय है। इसके तहत राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के इंस्टीट्यूट्स को शामिल किया जाएगा।

रिसर्च को करेगा प्रमोट

यह सेंटर आसपास के इंस्टीट्यूट्स में स्पेस टेक्नोलॉजी और रिसर्च को प्रमोट करेगा। इसके लिए रीजनल कॉर्डिनेटर को नियुक्त किया जाएगा। सेंटर के जरिए यूजी, पीजी, पीएचडी के रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए ट्रेनिंग और ग्रांट दी जाएगी। इसके साथ ही स्पेस टेक्नोलॉजी की कॉन्फ्रेंस, सेमिनार और वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। इससे स्पेस रिसर्च में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स को प्लेटफॉर्म मिलेगा।

मंगलवार को इसरो और एमएनआइटी के बीच 10 साल के लिए एमओयू साइन किया जाएगा। फिलहाल इसे इक्यूबेशन सेंटर में शुरू किया जाएगा, जबकि डेडिकेटेड बिल्डिंग भी प्लान की गई है।

एमएनआइटी से बाहर के स्टूडेंट्स को भी मौका

एमएनआइटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो.रोहित गोयल ने बताया कि इसरो के 'की रिसर्च एरियाज' मसलन, सेंसर, लॉन्च व्हीकल, सोलर पैनल, रिमोट सेंसिंग और अन्य नीड बेस्ड प्रोजेक्ट्स दिए जा सकते हैं। हालांकि पहले भी एमएनआइटी में इसरो के रिसर्च प्रोजेक्ट्स होते आए हैं, लेकिन इस सेंटर से विभिन्न इंस्टीट्यूशंस और स्टूडेंट्स में रिसर्च का दायरा बढ़ेगा। एमएनआइटी से बाहर भी स्टूडेंट्स इसमें अपना रिसर्च प्रोजेक्ट सब्मिट कर सकेंगे। जिसका इवेल्यूएशन किया जाएगा, साथ ही फीडबैक मिलेगा। सलेक्टेड रिसर्चर को ट्रेनिंग व फंडिंग प्रोवाइड कराई जाएगी।

'पिछले छह महीने से कवायद चल रही थी। इसरो के साइंटिस्ट्स ने दो बार इंस्टीट्यूट का दौरा किया और यहां रिसर्च की क्वालिटी को परखा। इस आधार पर उन्होंने वेस्ट रीजन के बेहतरीन इंस्टीट्यूट के तौर पर एमएनआइटी को रिकग्नाइज किया। सेंटर के शुरू होने से स्टूडेंट्स को इसरो में एक्सपोजर मिलेगा।'

उदयकुमार यारागट्टी,
डायरेक्टर, एमएनआइटी